All India Railwaymen's Federation
13/9/10
★ New Delhi ★

अमर उजाला
नई दिल्ली । रविवार । 12 सितंबर 2010

ममता ने रेलवे संरक्षा की कई श्रेणियों को वीआरएस में किया शामिल

खाली पदों पर सरपट दौड़ेगी भर्ती की रेल

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। रेलवे में सुरक्षा और संरक्षा से जुड़े लगभग साढ़े तीन लाख खाली पदों को भरने के लिए रेल मंत्री ममता बनर्जी फास्ट ट्रैक पर हैं। रेलवे मंत्रालय ने शनिवार को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) योजना में रेलवे संरक्षा की कई श्रेणियों को शामिल करने का निर्णय लिया है। जिससे वीआरएस लेने वाले कर्मियों के बच्चों को ऑपरेशन, सिविल इंजीनियरिंग, सिग्नल व टेलीकॉम व मकैनिकल व इलेक्ट्रिकल विभाग के खाली पदों पर भर्ती किया जा सकेगा। ममता ने पूर्व सैनिकों की सीधी भर्ती करने का निर्णय शुक्रवार को ही आदेश जारी कर दिया था। पूर्व सैनिकों कोटा बढ़ाकर 20 फीसदी कर दिया गया है। विदित हो कि वीआरएस लेने वाले रेल कर्मियों के बच्चों को सिर्फ गैंगमैन व सहायक लोको पॉयलट के पद पर भर्ती करने की व्यवस्था थी। लेकिन शनिवार को रेल मंत्रालय ने सर्कुलर जारी करते हुए इस योजना में संरक्षा की अन्य श्रेणियों के खाली पदों को भी शामिल कर लिया है। एआईआरएफ के महामंत्री शिवगोपाल मिश्रा ने बताया कि ममता के इस फैसले से रेलवे के ऑपरेशन विभाग, सिविल इंजीनियर, सिग्नल व टेलीकॉम विभाग, मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल विभाग के पदों पर वीआरएस लेने वाले रेल कर्मियों के बच्चों की भर्ती हो सकेगी।

खाने की गुणवत्ता सुधारेगा रेलवे

नई दिल्ली (ब्यूरो)। घटिया खानपान सेवा के कारण धूमिल छवि को सुधारने के लिए रेल मंत्रालय अब ट्रेनों में एयरलाइंस की तर्ज पर खाना परोसने की तैयारी में है। इसके तहत उसने देश के मशहूर कैटरिंग संस्थानों से पेशेवरों की भर्ती की योजना बनाई है। इसके साथ ही, रेल यात्रियों को स्वच्छ, ताजा और लजीज व्यंजन परोसने के लिए सभी मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों में अत्याधुनिक पेंट्रीकार लगाई जाएंगी। प्रमुख स्टेशनों पर मेगा और मीडियम बेस किचन बनाने की भी तैयारी है। खानपान सेवा को चुनौती के रूप में लेते हुए रेल मंत्रालय कई महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रहा है। मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि खानपान सेवा को पेशवर बनाया जाएगा। नई कैटरिंग पॉलिसी में मानक बोली दस्तावेज (स्टैंडर्ड बिड डाक्यूमेंट) को गुणवत्तापरक खानपान के मुताबिक बनाया जा रहा है। इसके तहत रेलवे में कैटरिंग संस्थानों से पेशेवरों (कैटरिंग डिप्लोमा-डिग्रीधारकों) की भर्ती करने की योजना है। ट्रेनों की खानपान सेवा व पेंट्रीकार इन पेशेवरों के हवाले होगी। पेंट्रीकार में खाना पकाने के अत्याधुनिक उपकरण होंगे। विमानों की तर्ज पर खाना ट्रॉली में रखकर कोच में पहुंचाया जाएगा और खाने को ताजा व स्वादिष्ट बनाए रखने के लिए लंबी दूरी की सभी ट्रेनों में पेंट्रीकार लगाई जाएगी।

All India Railwaymen's Federation
13/9/10
★ New Delhi ★

नई दिल्ली। रविवार • 12 सितम्बर • 2010 राष्ट्रीय सहारा 13

रेल मंत्रालय का फैसला

20 साल के सेवाकाल पर वीआरएस लेने वाले के आश्रितों को मिलेगी नौकरी

ज्ञानेंद्र सिंह/एसएनबी

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय ने शनिवार को एक अहम फैसला लेते हुए आदेश जारी किया है कि संरक्षा श्रेणी के कर्मचारियों को सशर्त वीआरएस लेने पर उनके एक आश्रित को रेलवे में नौकरी दी जाएगी। इस मांग पर पिछले कई वर्षों से कई रेल मंत्री स्तर पर होने वाली वार्ता विफल होती रही है मगर कुछ तकनीकी कारणों से बात बनते-बनते रह जाती थी।

► यह सुविधा सशर्त केवल संरक्षा श्रेणी के कर्मियों के लिए

रेलवे बोर्ड से शनिवार को जारी हुए आदेश में कहा गया है कि संरक्षा श्रेणी में आने वाले कर्मचारी यदि स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति लेते है तो उनके एक आश्रित को नौकरी दी जाएगी मगर उसमें तीन में से कोई एक शर्त भी लागू की गई है। जिसके तहत यदि कर्मचारी की आयु 50 वर्ष से अधिक है और वह बीस वर्ष की नौकरी कर चुका है और उसका पे-ग्रेड ₹1800 है तो उस कर्मचारी के द्वारा स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति लेने पर उसके संवैधानिक किसी एक आश्रित को नौकरी दी जाएगी। इस फैसले का परिचालन, सिविल इंजीनियरिंग, संकेत और दूर संचार, यांत्रिक एवं विद्युत विभाग के कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। रेलवे बोर्ड के पत्रांक ई/पी एंड ए1-2010/आर.टी/2 दिनांक 11/9/2010 में कहा गया है यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया है और देश भर की सभी जोनल रेलवे के अलावा कारखाना कर्मियों में संरक्षा श्रेणी के कर्मचारी अब इसका लाभ लेते हुए वीआरएस ले सकते है।

All India Railwaymen's Federation
13/9/10
★ New Delhi ★

नई दिल्ली, 12 सितंबर, 2010

दैनिक जागरण | 15

सुरक्षा श्रेणी में वीआरएस लेने पर एक बच्चे को नौकरी

- रेल मंत्रालय ने सभी क्षेत्रीय रेलवे के महाप्रबंधकों को इस आशय संबंधी आदेश दिए
- रेल मंत्रालय के इस फैसले से साढ़े छह लाख रेल कर्मी होंगे लाभान्वित

नई दिल्ली, जागरण संवाददाता : रेलवे की सुरक्षा श्रेणी में वालेंटियर रिटायरमेंट स्कीम (वीआरएस) के तहत सेवानिवृति लेने वाले रेल कर्मियों के एक बच्चे को नौकरी दी जाएगी। इस योजना से रेलवे के करीब साढ़े छह लाख रेल कर्मियों के लाभान्वित होने की संभावना है। यह योजना लागू होने पर रेल कर्मियों के एक बच्चे को ग्रुप सी में नौकरी देने का प्रावधान किया गया है। रेल मंत्रालय ने शनिवार को इस आशय संबंधी आदेश सभी क्षेत्रीय रेलवे के महाप्रबंधकों को दिए हैं। इसके तहत रेलवे के विभिन्न सुरक्षा श्रेणी में एक ही वेतनमान 18 सौ रुपये में नौकरी देने का प्रावधान किया है। 20 साल की सेवा और आयु वर्ग 55 से 57 वर्ष के बीच के रेल कर्मी इसका लाभ उठा सकेंगे।

ज्ञात हो कि विगत 13 जुलाई को रेल मंत्री ने दिल्ली में आयोजित ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के आह्वान पर आयोजित आल इंडिया लोको रनिंग एंड ट्रैफिक रनिंग स्टाफ के सम्मेलन में सुरक्षा श्रेणी में कार्यरत कर्मियो के वीआरएस लेने वाले रेल कर्मी के एक बच्चे को नौकरी देने की घोषणा की थी।

आल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के महामंत्री ने रेल मंत्री ममता बनर्जी के इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि रेल मंत्री ने ईद एवं गणेश चतुर्थी का तोहफा दिया। इससे सुरक्षा श्रेणी में कार्यरत रेल के करीब साढ़े छह लाख रेल कर्मी लाभाविन्त होंगे।

किन विभागों में मिल सकेगी नौकरी : इस योजना के तहत सुरक्षा श्रेणी के परिचालन विभाग में प्वाइंट्स मैन, शंट मैन, लीवर मैन, गेट मैन व ट्रैफिक आपरेटर, सिविल इंजीनियरिंग विभाग में गेट मैन, ट्राली मैन व की मैन, सिग्नल टेलीकम्युनिकेशन विंग में खलासी, हेल्पर खलासी, मैकेनिकल विंग में लोको फिटर, कैरेज एंड वैगेन फिटर व खलासी, डीजल शेड में ओपन लाइन व वर्कशाप में ईएमयू, इलेक्ट्रिकल शेड के अलावा ट्रेन लाइटिंग में एसी फिटर खलासी के पर पर 18 सौ के वेतनमान में नौकरी मिल सकेगी।